प्रदेस में सतवां अउर आखिरी फेरा क तेरह लोकसभा सीटिन पर होखे वाले चुनाव के लेके आजु संझा पांच बजे चुनाव परचार थम गइल हौ। एकरे सथहीं करीब दुई महीना पहिले से प्रदेस में कई गो फेरा में चलि रहल चुनाव परचार क सोरों सान्त हो गइल हौ प्रदेस में आखिरी फेरा में एक जून को तेरह लोकसभा सीटिन के सथहीं दुद्धी विधानसभा सीटि पर उपचुनावो होई।

येह से पहिले अलगि–अलगि राजनीतियक पारटी रोड–सो अउर जनसभा के जरिया से मतदातन के लुभावे में पूरा ताकति लगा दिहले हवे। येहि क्रम में आजु रक्षामंत्री अउर सीनियर भाजपा नेता राजनाथ सिंह कुशीनगर में परचार कइलें। उहां के कहलि कि येह बेरि भाजपा के चार सौ से बेसी सीट मिले जा रहल हौ। उहां के एक राष्ट्र एक चुनाव क ओकालति कइलीं अउर कहलीं कि तिसरकी बेरि सत्ता में अइले के बाद भाजपा सराकार येह दिसा में कार करी जेहसे देस में कुछु महिन्ना के अंतर पर चुनाव न करावे के परे। एकरे बाद श्री सिंह रॉबर्ट्सगंज अउर चंदौली निरवाचन क्षेत्र में रैली के संबोधित कइलें।

ओहर निचलौल जिला में आयोजित इण्डिया गठबंधन के चुनावी जनसभा के संबोधित करत सपा मुखिया अखिलेश यादव देस अउर परदेस क डबल इंजन क सरकार पर निसाना सधलें। उहां के कहलीं के चारि जून के देस क एक सौ चालिस करोड़ जनता भाजपा के एक सौ चालिस सीटि खातिरों तरसा देइ। उहां के इण्डिया गठबंधन क गारंटी अउर न्यायपत्र क हवाला देत कहलीं कि सरकार बनते नौजवानन के तीस लाख नोकरी दिहले के सथहीं अग्निवीर योजना के खतम कई दीहल जाइ। येहि क्रम में मध्य प्रदेस के मुख्यमंत्री मोहन यादव कुशीनगर अउर सोनभद्र निर्वाचन क्षेत्र में रोड–सो कइलें।

****

सतवां चरण क चुनाव में ओट दीहले क प्रतिसत बढ़ावे बदे मतदाता जागरूकता कारक्रमन का आयोजन कइल जा रहल हौ। येहि क्रम में आजु बनारस में अनमोल सेवा समिति की ओरि से बी.एल.डब्लू. परिसर में मत महोत्सव का आयोजन कइल गइल। कार्यक्रम में प्रभात फेरि निकारि के लोगिन के ओटि दिहले क महातम बतावल गइल।

****

आजु हिंदी पत्रकारिता दिवस हौ। हिन्दी पत्रकारिता क यात्रा तीस मई अट्ठारह सौ छब्बीस में पंडित जुगल किशोर शुक्ल की ओरि से सुरू कइल गइल पहिला हिन्दी समाचार पत्र "उदन्त मार्तण्ड" क प्रकासन से सुरू भइल। ई दिन सत्य अउर साहस के सथहीं जन कल्याण के उद्देस्य से कार करे वाले हिन्दी पत्रकारन के खास जोगदान के समरपित हौ। "उदन्त मार्तण्ड" क हिन्दी प्रकासन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में एगो मील क पाथर साबित भइल। समाचार पत्र से भारत में पत्रकारिता क एगो नया जुग क सुरूआति भइल अउर बादि में समाज आ संस्कृति पर एकर बड़हन परभाव परल।

****

भारतीय जनता पारटी क सीनियर नेता अउर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आजु बनारस के काशी विश्वनाथ मंदिर में दरसन–पूजन कइलें। येह दौरान उनके परिवार क लोगि मौजूद रहलें। येह मौका पर श्री शाह ओहवां मौजूद दरसनिहन से मुलाकातो कहलें।

****

महाराष्ट्र क उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आजु अजोध्या धाम में रामलला क दरसन–पूजन कइ के सबके मंगल क कामना कइलें। पत्रकारन से बतियावत उप मुख्यमंत्री कहलें कि अजोध्या आइल हमरे खातिर खुसी क बिसय हौ। प्रभु रामलला क प्राण प्रतिस्ठा के बाद पहिला बेरि प्रभु क दरसन करे पहुंचल हईं। उहां के कहलीं कि जवने समय राम मंदिर बनत रहे, ओहू समय हम अजोध्या आइल रहलीं। प्रधानमंत्री मोदी के मेडिटेसन कार्यक्रम पर उठावल जा रहल सवालन के ले के बिपक्ष पर निसाना साधत श्री फड़णवीस कहलें कि ई एतना घोर हिन्दू बिरोधी हवें कि इनके मेडिटेसनों में राजनीति नजरि आवे ला। धियान लगावल अउर प्रार्थना कइल हमरे जिनगी क खास हिस्सा हौ।

एहसे पहिले रिटायर आईपीएस किरण बेदियो आजु अजोध्या धाम में रामलला क दरसन–पूजन कइ के मंगल कामना कइलिनि। उहां के अपने माता के बरसी के मौका पर रामलला क दरसन करे पहुंचलीं। उहां के कहलीं कि ई हमार सौभाग्य हौ कि हमके रामलला के दरसन क मौका मिलल।

****

डूंगरपुर मामिला क एगो मोकदिमा में आजु एमपी–एमएलए स्पेसल कोर्ट क जज डॉक्टर विजय कुमार आजु सपा क महासचिव आजम खान के दस सालि क सजा अउर चउदह लाख रूपिया जुरमाना क सजा सुनवले हवें। सथहीं दुसरका दोसी बरकत अली के सात सालि क सजा अउर छौ लाख रूपिया क जुरमाना लगवले हवें।

बरिस दुइ हजार सोरह में ओह समय क सपा सरकार डूंगरपुर बस्ती में रहि रहल लोगिन क मकानि तूरि के सरकारी आसरा कॉलोनीं बनवले रहे। बरिस दुइ हजार ओन्नइस में बारह लोगि, थान्हा गंज कोतवाली में अलगि–अलगि प्राथमिकी दरज करवले रहे। आरोप रहल कि ओह समय क सपा सरकार में आजम खां के इसारा पर पुलिस अउर सपाई उनके घर के जबरियन खाली करवले रहलें। उनकर समान लूटि लिहले रहलें अउर मकानिन के ढाहि दिहले रहलें। येह मोकदिमा में आजम खां क नांव जांचि के दौरान पुलिस के ओरि से सामिल कइल गइल रहे। आजम खां के सथहीं बरकत ठिकेदारो के दोसी मानल गइल हौ। डूंगरपुर मामिला में बारह मोकदिमा दरज कइल गइल रहे, एहमें दुइ केसि में आजम खां बरी हो चुकल हवें। जबकि एगो अउरियो मामिला में पहिलहीं सजा दीहल गइल हौ।

****